# भूगोल ( वैकल्पिक विषय )

## ( मॉड्यूल-V )

( भौतिक विन्यास, संसाधन एवं कृषि )

DTVF/18–OPS–G5

*निर्धारित समय: तीन घंटे*
*Time allowed: Three Hours*

*अधिकतम अंक: 250*
*Maximum Marks: 250*

नाम (Name): Siddharth Kumar

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? | हाँ | ✓ | नहीं | |

मोबाइल नं. (Mobile No.): ______

ई-मेल पता (E-mail address): ______

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): ______

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2018] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2018]:

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | |

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिंदी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): Sid

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

---

## Evaluation Analysis




---

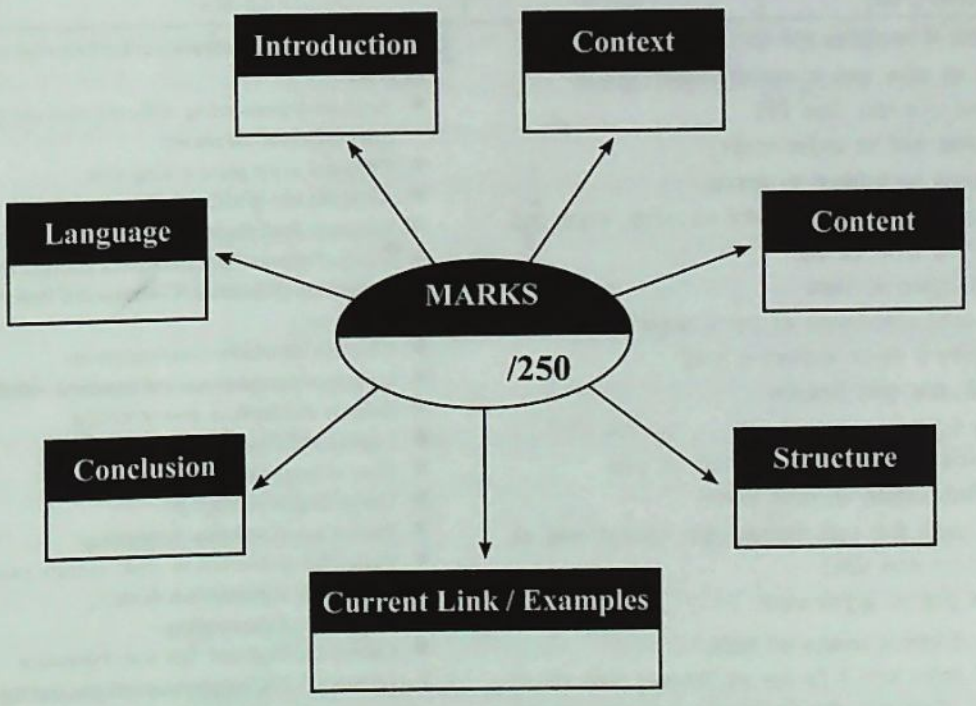

मूल्यांकनकर्त्ता ( कोड तथा हस्ताक्षर )
*Evaluator (Code & Signatures)*

पुनरीक्षणकर्त्ता ( कोड तथा हस्ताक्षर )
*Reviewer (Code & Signatures)*

A3

दृष्टि The Vision

# भारत

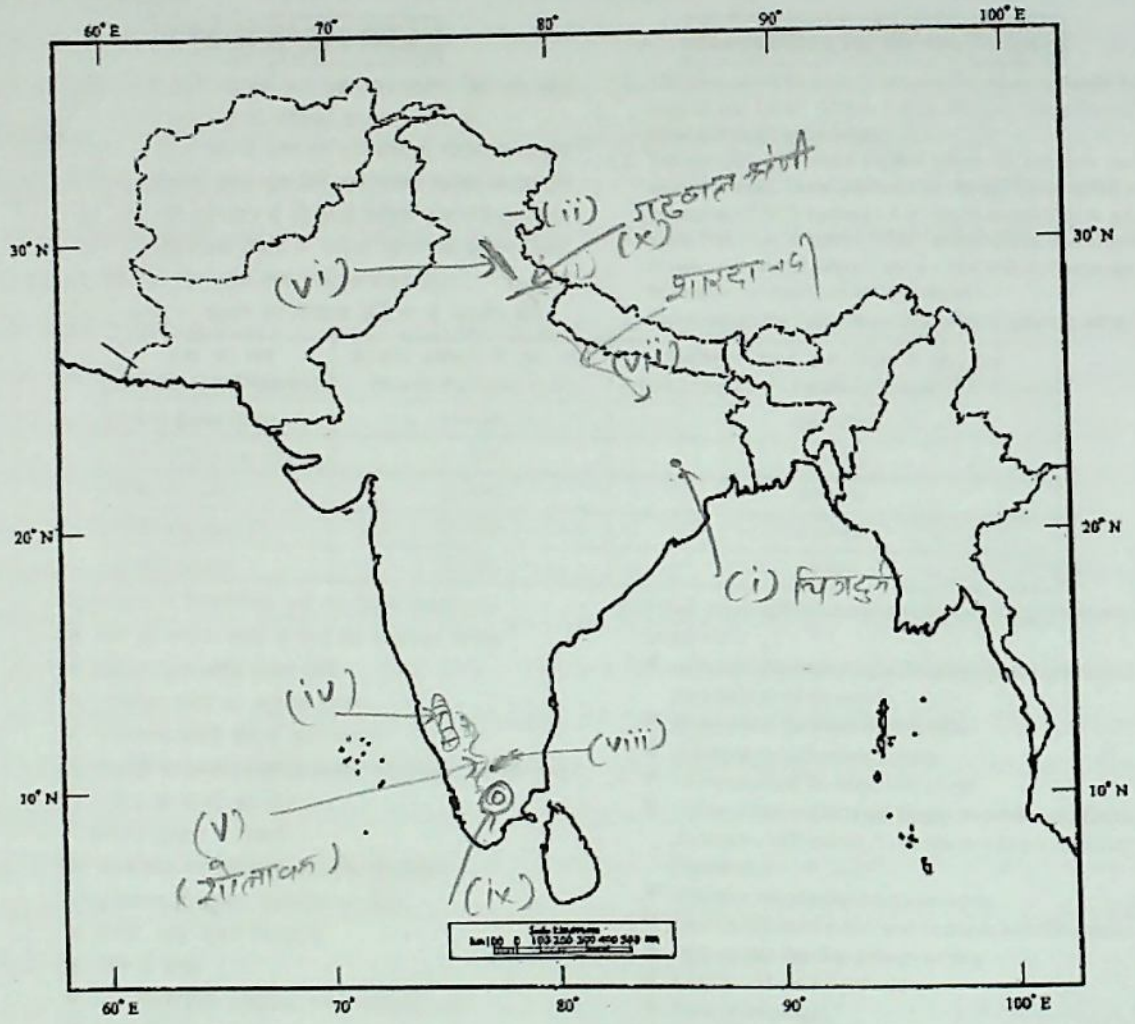

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

## खण्ड - क / SECTION - A

1. (a) आपको दिये गए भारत के रेखामानचित्र पर निम्नलिखित सभी की स्थिति को अंकित कीजिये। अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में इन स्थानों में से प्रत्येक का भौतिक/वाणिज्यिक/आर्थिक/पारिस्थितिक/पर्यावरणीय/सांस्कृतिक महत्त्व अधिकतम 30 शब्दों में लिखिये: 2 × 10 = 20

On the outline map of India provided to you, mark the location of all of the following. Write in your QCA booklet the significance of these locations, whether physical/commercial/economic/ecological/environmental/cultural in not more than 30 words for each entry: 2 × 10 = 20

(i) चित्रदुर्ग

Chitradurga

- छत्तीसगढ़ में स्थित शहर
- ऐतिहासिक महत्व
- पर्यटन का संभाव्य केंद्र

(ii) त्सो ल्हामो झील

Tso Lhamo lake

↳ जम्मू-कश्मीर के लद्दाख क्षेत्र में एक अवशिष्ट झील (टैथिस का भाग

↳ महत्वपूर्ण प्राकृतिक सौन्दर्य युक्त पर्यटन स्थल

↳ मीठे पानी की इस झील पर भारत-चीन में विवाद



Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iii) मोरान

Moran

(iv) करवार

Karwar

- कनारा मैदान (कर्नाटक) का भाग
- पश्चिमी तटीय मैदान
-


Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(v) शोला वन क्षेत्र

Shola forest areas

↳ दक्षिण भारत के पर्वतीय संकुल नीलगिरी के ऊँचाई पर पाये जाने वाले वन

↳ लॉरल, मैग्नोलिया प्रमुख वृक्ष

↳ 1500m. की ऊँचाई पर

↳ कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल

↳ महत्वपूर्ण पर्यटन केंद्र व फिल्म शूटिंग संभाव्य क्षेत्र

(vi) धौलाधर श्रेणी

Dhauladhar range

↳ ~~शिवालिक हिमालय का पश्चिमी भाग~~

↳ हिमाचल प्रदेश व उत्तराखण्ड में प्रविष्ट तथा

↳ अतिवलित चट्टानी स्वरूप

↳ ~~...~~

↳ टर्शियरी युग की चट्टान



Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(vii) शारदा नदी

Sharda river

↳ गंगा की बांयी ओर से आने वाली सहायक नदी
↳ UP में (भारत में) प्रवाह क्षेत्र
↳ शिवालिक तराई क्षेत्र से उद्गम
↳ गंगा नदी तंत्र का भाग व बंगाल की खाड़ी में जल विसर्जन
↳ वाहद निर्माण में महत्वपूर्ण

(viii) कोडाइकनाल झील

Kodaikanal lake ↳ तमिलनाडु राज्य में
↳ पालनी पहाड़ी के बनाई गई कृत्रिम झील
↳ यह नीलगिरी पर्वतीय संकुल का भाग
↳ प्राकृतिक जल प्रपात
↳ विशिष्ट पर्यटन महत्व
↳ ek



दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(ix) अगस्त्यमलाई बायोस्फीयर रिज़र्व

Agasthyamalai biosphere reserve

- केरल व तमिलनाडु की संक्रमण क्षेत्र पर स्थित भारत का नवीनतम घोषित बायोस्फीयर रिजर्व
- यह एक नेशनल पार्क भी है जो केरल व तमिलनाडु की कई अभ्यारण्य को समाहित किये हुये है।
- जैव विविधता महत्व व पर्यटन महत्व का स्थल

(x) गढ़वाल श्रेणी

Garhwal range

↳ उत्तराखण्ड के [illegible] पर्वतीय श्रेणी

↳ पौढ़ी-गढ़वाल का भाग

↳ गढ़वाल शब्द की उत्पत्ति

↳ पर्यटन महत्व, धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व



641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) धारवाड़ समूह की शैल संरचना एवं वितरण का संक्षिप्त विवरण दीजिये। 10

Give a brief account of rock structure and distribution of Dharwar rock system. 10

धारवाड़ शैल समूह भारत की प्रथम अवसादी चट्टान थी जो कि काफी कायान्तरित रूप में पायी जाती है। इनका लौह अयस्क सहित कई खनिजों की प्राप्ति के लिए महत्व है।




भारत में धारवाड़ क्रम की शैल आर्कियन क्रम की चट्टानों के विखंडों से पर्वतीय वलन में निर्मित क्षेत्रों में सीमांकित है।

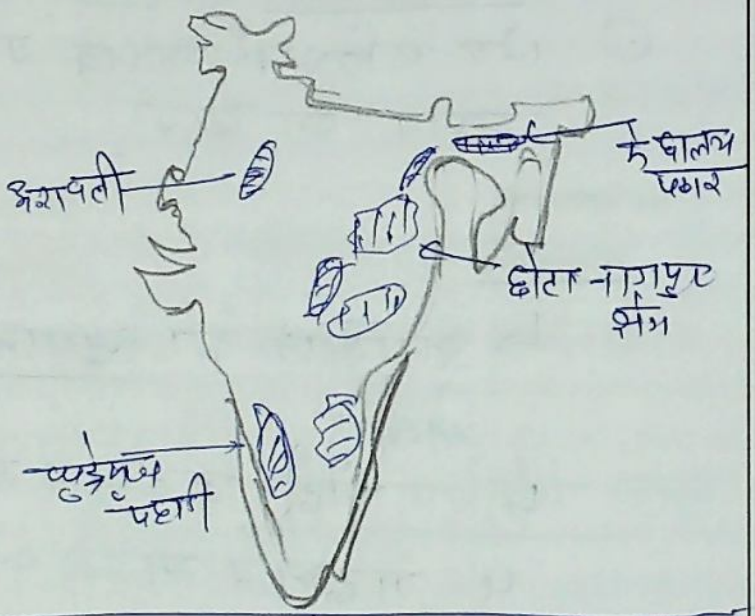



Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

संरचना —

1. आर्कियन शिस्ट के आधार पर
2. इन श्रेणी में लौह अयस्क की प्राप्ति – [सर्वाधिक खनिजीकृत]
3. कई स्थानो पर इन पर गोंडवाना क्रम की चट्टान स्थापित हुई है।
4. अरावली अब अवशिष्ट पर्वत मात्र रह गया
5. ये कायांतरित चट्टान है



दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) निर्वाह कृषि का परिचय देते हुए भारत में निर्वाह कृषि को बल देने वाले कारकों की चर्चा करें। 10

Write a note on subsistence agriculture and discuss the factors that promote it in India. 10

निर्वाह कृषि से तात्पर्य कृषि का ऐसा प्रणाली जिसका उद्देश्य व्यापार न होकर केवल परिवार का जीवन निर्वाह (पालन-पोषण) होता है।

व्हीटलसी के कृषि वर्गीकरण मे भारत मे चावल गहन निर्वाह कृषि व चावल रहित निर्वाह कृषि की उपस्थिति बताई गई है।

किसी भी कृषि प्रणाली का निर्धारण भौतिक, सामाजिक, आर्थिक, प्रौद्योगिकी जैसे कारकों पर निर्भर होता है।


641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में कारक ! –

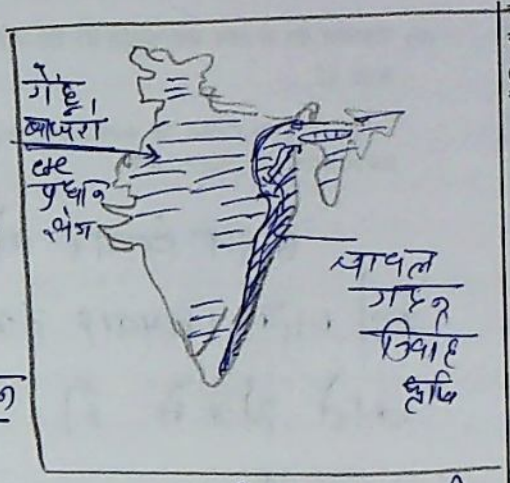




(1) अधिक जनसंख्या व उच्च वृद्धि दर के कारण सर्वप्रथम भोजन की पूर्ति आवश्यक।
भारत के विश्व की सर्वाधिक भुखमरी जैसी स्थिति व्याप्त है। Ex – गंगा के मैदान क्षेत्र

(2) प्रौद्योगिकी उच्च स्तर न होना फलतः
कृषि उत्पादकता का निम्न स्तर।
Ex - परंपरागत विधियाँ,

(3) मशीनीकरण का अभाव व छोटे भूजोत
आय की कमी, गरीबी के कारण
ट्रैक्टर, हार्वेस्टर आदि न खरीद पाना

(4) सामाजिक कारणों से भूजोत अलाभकारी रूप से छोटा होना

(5) ग्रामीण भारत में कृषि वैज्ञानिकता व जागरूकता का अभाव

(6) आदिवासी क्षेत्रों में स्थानांतरी कृषि प्रणाली


641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(d) जलसंभर क्षेत्र से आप क्या समझते हैं? यह संपोषणीय विकास में किस प्रकार महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करता है? 10

What do you mean by watershed region? How it does play a crucial role in sustainable development? 10

जल संभर क्षेत्र से तात्पर्य नदी जल अपवाह तंत्र को पृथक करने वाले क्षेत्र से है।

~~संपोषणीय~~ विकास (धारणीय) में Role —

1. संपूर्ण क्षेत्र प्रबंधन
2. कृषि उत्पादकता बढ़ाना
3. ग्राम्य नियोजन सफल



Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

3. (a) भारत में मृदा अपरदन का स्थानिक विवरण प्रस्तुत करते हुए क्षेत्र-विशेष में अपरदन के प्रमुख कारणों की चर्चा करें। 20

Write a note on the spatial distribution of soil erosion in India and discuss the major factors of soil erosion. 20

मृदा अपरदन से तात्पर्य मृदा की ऊपरी उर्वर परत के हटने या मृदा के उर्वरता में ह्रास होने से है।

यह मृदा अपरदन, मृदा अपक्षयन, मृदा संदूषण, मृदा लवणीकरण आदि रूपों में हो सकता है।

भारत का बहुत बड़ा भाग मृदा अपरदन के प्रति सुभेद्य है जिसमें पश्चिमी मरुस्थल राजस्थान से लेकर, उत्तर-पूर्वी भारत सहित तटीय प्रदेश शामिल है।

मृदा अपरदन के कारकों में प्राकृतिक कारक (जल, वायु, हिम, सागर) सहित मानव जनित कार्य (कृषि, परिवहन एवं) भी मुख्य कारक हैं, जो प्राकृतिक अपरदन



641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

को भी तीव्र बनाता है

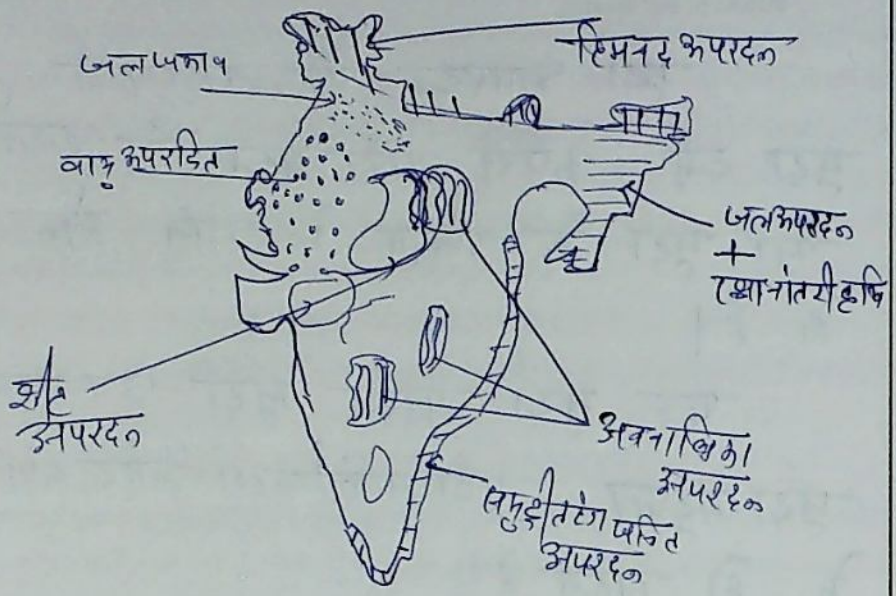




# फलत: स्पष्ट है कि भारत मे क्षेत्र-विशेष मे अपरदन के कारकों मे अंतर विद्यमान है।

① तटीय प्रदेश:- इस क्षेत्र मे समुद्र से आने वाली तरंगे, विनाशकारी उष्णकटिबंधीय चक्रवात व सुनामी जैसी घटनाएँ।
इससे मृदा का कटाव, मृदा का लवणीकरण होता है।


Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(2) हिमालयी प्रदेश - हिमनद द्वारा अपरदन तथा भूस्खलन, बाढ़, फ्लश फ्लड जैसी घटनाएं।

(3) राजस्थान व उत्तरी-पश्चिमी भारत - इस क्षेत्र मे वायु द्वारा मृदा के कणों को ढीला कर अपरदित किया गया है। इससे मरुस्थल का प्रसार हो रहा है।

(4) चंबल क्षेत्र, बुंदेलखण्ड, मालवा क्षेत्र मे अवनालिका अपरदन के कारण ही रैवाइन जैसी संरचना पायी जाती है।

(5) उत्तरी-पूर्वी क्षेत्रों मे उच्चावचीय स्वरूप के साथ स्थानांतरी कृषि ने मृदा को अपरदित किया है।

लेकिन इन सब मे वनोन्मूलन, अधारणीय कृषि व निर्माण कार्य, ग्लोबल वॉर्मिंग आदि के रूप मे मानव ने प्रत्यक्ष व परोक्ष दबाव पैदा किया है।

अतः मृदा के धारणीय उपयोग पर बल देना चाहिए



641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) हरित क्रांति के विभिन्न नकारात्मक प्रभावों के बावजूद 'दूसरी हरित क्रांति' की आवश्यकता पर बल दिये जाने से ज़्यादा उसमें नवीन विकल्पों के चयन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। विवेचना करें। 15

Given the negative impacts of Green Revolution, rather than emphasising the need of 'Second Green Revolution.' it is imperative to adopt scientific approach in selecting new alternatives for agriculture. Discuss. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

हरित क्रांति मुलात : खाद्यान्न उत्पादन मे आशातीत वृद्धि को दर्शाता है। भारत मे वर्तमान मे दूसरी हरित क्रांति की मांग की जा रही है क्योंकि प्रथम हरित क्रांति के दोषों के कारण नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न हुआ है।

नकारात्मक प्रभाव –

① यह मात्र क्षेत्रीय क्रांति, गेंहू चावल क्रांति, अमीरों की लिए क्रांति बनकर रह गई।

② यह एकक्षेत्रीय अर्थात मात्र उत्पादन केंद्रित क्रांति रही न कि पर्यावरण अनुकूल क्रांति बनी।

⇓

इसका परिणाम यह रहा कि ⊙ व्यक्तिगत व प्रदेशिक आर्थिक-सामाजिक



दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

विषमता बढ़ी, मृदा उर्वरता व जैव-विविधता में ह्रास, स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव, संसाधन अतिश्रम क्षतिकारी दशा बनी।
Ex – पंजाब में कृषि दक्षता गिरना

फलतः वर्तमान में दूसरी क्रांति लाने से ज्यादा बल इन दोषों को दूर कर वैज्ञानिक दृष्टिकोण का पालन करना चाहिए।

सुझाव :-

① संपूर्ण देश के लिए हरित क्रांति हो जिसमे क्षेत्र-विशिष्टता व एकीकरण दोनों को बल मिले।
Ex – शुष्क क्षेत्रों मे मोटा अनाज क्रांति
– चारागाह क्षेत्रों मे दुग्ध क्रांति

② खाद्यान्न, पशुधन, वाणिज्यिक सब्जी प्रकार की फसलों की क्रांति लाई जाये।


641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

③ हरित क्रांति को त्रिविक्रम मॉडल पर जैविक क्रांति का रूप दिया
- जैविक उर्वरक, जैविक कीटनाशकों का प्रयोग

④ छोटे व सीमांत कृषकों के लिए विशेष बल

⑤ कृषि-जलवायविक दशा अनुसार फसलों का चयन

⑥ क्रांति धारणीय, पर्यावरण-अनुकूल व सदाहरित होनी चाहिए।

⑦ क्रांति को सतरंगी रूप दिया जाये। Eg. इंद्रधनुष क्रांति

⑧ सॉयल हेल्थ कार्ड, माइक्रो इरिगेशन, उर्वरकों का संतुलित प्रयोग तथा किसानों को बायोटेक किसान बनाया जाये।

फलतः इससे आने वाली क्रांति पूर्णतः धारणीय, समावेशी व फलीभूत होगी।



Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(c) 'नदी जोड़ो योजना' के लाभों को बताते हुए इससे संबंधित समस्याओं की चर्चा करें। 15

Highlight the merits of river linking project and discuss the problems related to it. 15

ब्रिटिश काल से चर्चा मे रही नदी जोड़ो परियोजना वास्तव: प्रायद्वीपीय मौसमी नदियों व हिमालयी सदावीरा नदियों को जोड़ने की योजना है।

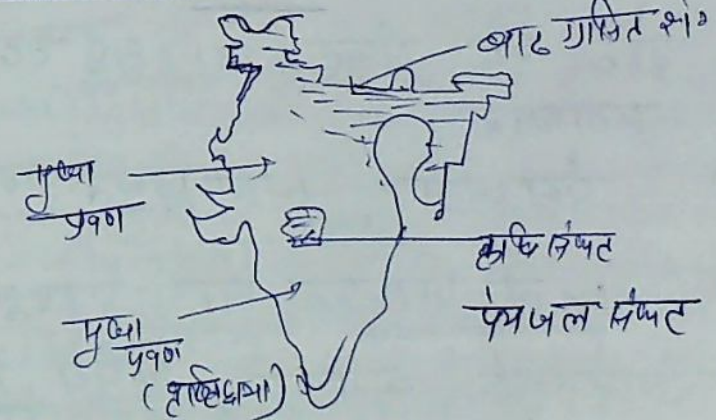








641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लाभ! -

① बाढ़ प्रबंधन :- इससे देश के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र की समस्या का समाधान नहर निकालकर, बांध बनाकर अतिरिक्त जल को दिक्परिवर्तन से होगा।

Eg - दामोदर नदी पर DVC प्रोजेक्ट

② सूखा की समस्या का समाधान

③ सिंचाई जल की व्यवस्था से कृषि उत्पादकता बढ़ना

④ कृषकों पर मानसून के कमजोर होने पर संकट का कुछ हद तक समाधान

⑤ पेय जल, जल विद्युत उत्पादन

⑥ जल परिवहन का राष्ट्रव्यापी नेटवर्क बनाना जिससे माल व यात्री परिवहन का सस्ता माध्यम



Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(7) कृषि निम्बद समाधान व नौपरिवहन विकास लोगों की आय सुरक्षा व जीवनस्तर में सुधार करेगा

(8) बाढ़ व सूखा से मानव व प्रकृति को होनेवाली क्षति कम करना

फलत: इसका सामाजिक - आर्थिक - पर्यावरणीय सहित बहुआयामी लाभ है।

समस्याएँ —

(1) बांध बनाकर जल रोकने व नदी द्वारा प्राकृतिक मार्ग में परिवर्तन से नकारात्मक प्रभाव का खतरा

(2) जनजातीय विस्थापन का संकट

(3) वनोन्मूलन, जल-जमाव व जैवविविधता ह्रास होगा

(4) राजनीतिकरण व विलंबता की समस्या

(5) वैज्ञानिकों द्वारा इसकी व्यवहार्यता पर शंका। फलत: ऐसे सभी सामाजिक - ~~पर्यावरणीय प्रभावों का मूल्यांकन कर लाभ को~~



641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
दृष्टि The Vision
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

4. (a) हिमालय केवल एक प्राकृतिक रोधक ही नहीं बल्कि जलवायु, अपवाह व सांस्कृतिक विभाजक भी है। व्याख्या कीजिये। 15

The Himalayas are not just a natural barrier but also a climatic, drainage and cultural divider. Explain. 15

हिमालय अल्पाइन पर्वतश्रेणी का नवीन वलित पर्वत है जो भारतीय उपमहाद्वीप का उत्तरी मुकुट है।

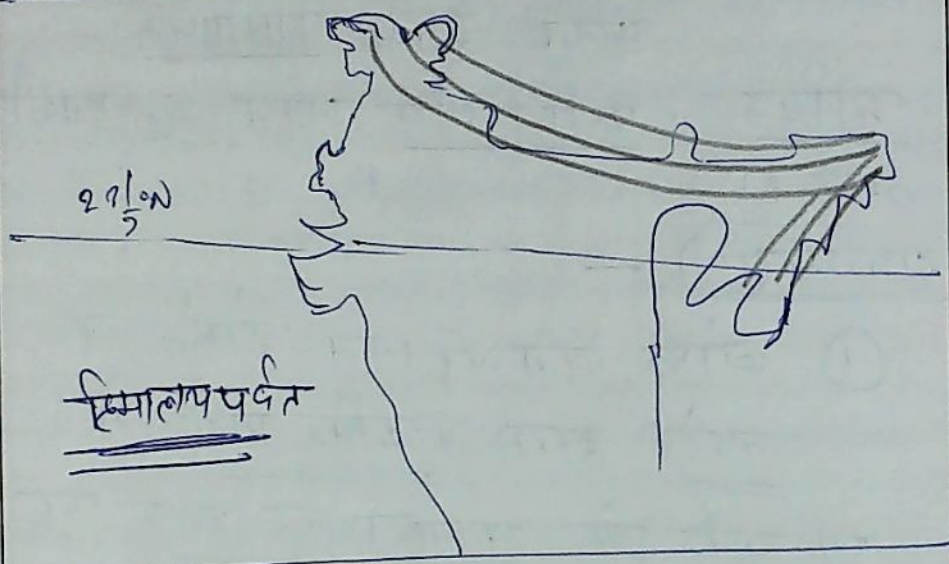




हिमालय पर्वत भारतीय उपमहाद्वीप की प्राकृतिक सीमा है जो किसी भी बाहरी आक्रमण, प्रवेश को अवरोधित करता है।

# जलवायु विभाजक # - हिमालय पर्वत भारतीय जलवायु को शीतोष्ण



Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

एशियाई जलवायु से पृथक कर हमें मानसूनी जलवायु का रूप प्रदान करता है। हिमालय पर्वत मानसूनी पवनों के लिए पर्वतीय अवरोध कर मानसूनी वर्षा कराता है।

**अपवाह विभाजक** → हिमालय क्षेत्र तथा इसमें अवस्थित हिमनद कई बड़ी नदियों का उद्गम स्थल है तथा यह अनेक मध्य अपवाह तंत्र विभाजन करता है।

Ex. - सिंधु नदी तंत्र, गंगा नदी तंत्र के अपवाह की पृथकता।

हिमालयी उत्थान व वलन ने शिवालिक नदी (इण्डो ब्रह्मा) नदी तथा प्रायद्वीपीय नदीय तंत्र (चंबल नदी तंत्र, सोन) को वर्तमान स्वरूप प्रदान किया है।


641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

# सांस्कृतिक विभाजक ||

कुमारी सेंपुल के अनुसार प्रकृति द्वारा संस्कृतियो का निर्धारण होता है।

हिमालय पर्वत भी भारतीय संस्कृति को मध्य एशियाई व शेष विश्व की संस्कृति से पृथक कर हिंदू जीवन शैली को जन्म देता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) 'वन्य जीवन संरक्षण, स्थानीय समुदायों को शामिल किये बिना केवल सरकारी नीतियों की बदौलत संभव नहीं है।' चर्चा करें। 15

"Wildlife conservation just with government policies and without involving the local communities is not possible." Discuss. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

वन्य जीव संरक्षण वर्तमान के मानव समाज के सामाजिक आर्थिक व चिरस्थायी विकास के लिए आवश्यक है।

संरक्षण के लिए केवल सरकारी नीतियां बनाना पर्याप्त नहीं है क्योंकि बिना स्थानीय जनसहयोग के बनी नीतियां —

(i) अतार्किक प्रेक्षण व आंकड़े आधारित

(ii) जमीनीस्तरीय समस्याएं को न जान पाना

(iii) वन्य जीवों के व्यवहार, आवश्यकताओं को न समझ पाना

(iv) कानून में कमियां



641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

फलात : ऐसा कानून सफल नहीं होता।

भारत सहित एशियाई देशों मे सतत कम होते अतिसंकटग्रस्त जीव इस स्थिति को दर्शाते हैं

Ex - बढता मानव - पशु संघर्ष

- [illegible] रहीनो सॉरस, लेपर्ड की संख्या कम होना

# स्थानीय समुदाय को शामिल करने से फायदा —

1. ये समुदाय युग युग से जानवरों के साथ प्राकृतिक संतुलन मे रहते हैं। उनकी कार्यव्यवहार, समस्याओं को बेहतर समझते हैं

2. इनका अनुभव नीति को प्रभावी बना देगा

3. इससे अवैध शिकार पर निगरानी



Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

रखना आसान होगा।

6 - विभिन्न समुदाय

(4) वन्य जीव क्षेत्रों को समर्थन, सीमांकित करने में सहायक

(5) साथ ही इन समुदायों के हितों का संरक्षण हो सकेगा।

फलतः स्थानीय समुदायों की आजीविका एक ओर जहाँ नीतियों को अधिक सरल, समावेशी व प्रभावी बनायेगा वहीं जनजातियों के हितों की रक्षा कर संतुलन बनायेगा।

इस संदर्भ में मैन एंड बायोस्फीयर प्रोग्राम, नेशनल पार्क, क्रिटिकल हैबिटेट सहित वन अधिकार सुरक्षा नियम, पेसा एक्ट महत्त्वपूर्ण है।



641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) भारत की औद्योगिक अर्थव्यवस्था पर उदारीकरण के प्रभावों की चर्चा कीजिये। 20

Discuss the impacts of liberalisation on India's industrial economy. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

स्वतंत्र भारत ने 1990 के दशक के प्रारंभ में बदलते समय व तत्कालीन संकटकालीन स्थितियों को ध्यान में रखकर अर्थव्यवस्था को उदारीकृत किया।

उदारीकरण से तात्पर्य देश की अर्थव्यवस्था को बंद से ओपन करने या बाहरी आर्थिक कारकों के प्रवेश के नियमों को सरल, सुगम बनाने से है।

भारत ने 1991 में लाइसेंस राज का अंत, सार्वजनिक क्षेत्र के सुरक्षित उद्योगों की श्रेणी कम करके, MRTP एक्ट समाप्त कर उदारीकरण किया।



Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रभाव ! ,

सकारात्मक प्रभाव —

(1) देश मे ~~विदेशी निवेश~~ बढ़ा, औद्योगिक उत्पादन मे वृद्धि

(2) ~~विदेशी~~ व्यापार मे वृद्धि व ~~विदेशी~~ मुद्रा की पर्याप्तता

(3) प्रति व्यक्ति आय बढ़ना

(4) देश की अर्थव्यवस्था वर्तमान मे 6 वी बड़ी अर्थव्यवस्था बनी

(5) उत्पादन → बचत - पूंजी - आय — जीवनस्तर मे सुधार

(6) गरीबी, बेरोजगारी कम होना (21.9%)

नकारात्मक ! -

(1) व्यापार घाटा बढ़ना

(2) आर्थिक विषमता बढ़ना,

(3) बाह्य कारकों के प्रति अर्थव्यवस्था सुभेद्य होना eg - $, तेल, etc



641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(4) नव उपनिवेशवादी प्रभाव
(5) WTO की बाध्यताऐं
(6) राज्य का रोल कम होना

अतः औद्योगीकरण के नकारात्मक प्रभावों को दूर कर तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनने की आवश्यकता है।


Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

## खण्ड - ख / SECTION - B

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5. निम्नलिखित प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: $10 \times 5 = 50$
Answer the following in about 150 words each:

(a) ट्रिवार्था के वर्गीकरण पर आधारित भारत में 'शुष्क जलवायु समूह' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

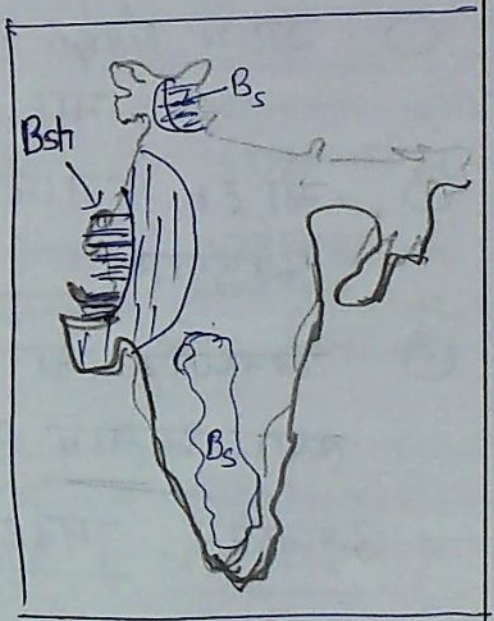

Write a short note on tropical climate of India based on Trewartha's classification.

ट्रिवार्था ने जननिक कारकों के आधार पर जलवायु का वर्गीकरण कर विश्व स्तर सहित भारत को भी कई जलवायु प्रदेशों मे विभक्त किया।




शुष्क जलवायु समूह -

ट्रिवार्था ने B को शुष्क जलवायु प्रदेश कहा जिसे Bs व Bh द्वारा अर्द्धशुष्क व शुष्क क्षेत्र मे उपविभाजित किया।

भारत मे ऐसा प्रदेश दक्कन का वृष्टिछाया प्रदेश, राजस्थान का


Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

व गुजरात के पश्चिमी भाग
इसके अलावा लेह-लद्दाख पठार भी
को बताया।

विशेषताएं : -

- वर्षा की मात्रा 75 cm से कम
  अति शुष्क क्षेत्र में 25 cm से
  कम
- शस्य निपद्धत काल मात्र
  2-3 माह का
- मोटा अनाज व शुष्क भूमि कृषि
  अनुकूलता
- वनस्पति का प्रायः अभाव
  तथा उच्चताप व कम आर्द्रता
  अनुकूलित मरुद्भिद पादपों की
  प्राप्ति


641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) हरित क्रांति ने भारतीय मृदा की उर्वरा-शक्ति को प्रभावित किया है। टिप्पणी करें।

Green revolution has impacted the fertility of Indian soil. Comment.

हरित क्रांति से तात्पर्य तीसरे विश्व मे आयी खाद्यान्न उत्पादन मे अतिशय वृद्धि से है।

भारत मे HYV / पैकेज प्रोग्राम के रूप मे आई हरित क्रांति [स्वामीनाथन] ने सकारात्मक सहित एवं नकारात्मक प्रभाव रखे हैं।

उर्वरा-शक्ति पर प्रभाव - हरित क्रांति ने अपनी प्रयुक्त आगतों, प्रक्रियाओं के द्वारा उर्वराशक्ति को कम किया है।

① जलाक्रांतता का संकट :- अति सिंचाई के कारण मृदा मे जलजमाव व लवणों को सतह पर लाने से मृदा मे लवणीयता व क्षारीयता।
Eg - पंजाब हरियाणा मैदान
- इंदिरागांधी नहर क्षेत्र


641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

② मृदा प्रदूषण :- हरित क्रांति में प्रयुक्त उर्वरकों का किसानों द्वारा असंतुलित प्रयोग। (N: P: K) फलतः मृदा का संदूषण होना।

③ मृदा विषाक्तता :- हरित क्रांति में प्रयुक्त रासायनिक कीटनाशकों का मृदा में रिसाव

④ एककालीयता के कारण मृदा में उस फसल विशेष से संबंधित तत्वों की कमी।

⇓

क्षारीयता, जलजमाव, विषाक्तता

⇓

उर्वराशक्ति ह्रास

निष्कर्षतः हरित क्रांति का मानव द्वारा धारणीय स्वरूप में प्रयोग न करने से मृदा की उर्वरता में क्षति हुई। फलतः संधारणीय जैविक क्रांति की आवश्यकता है।



Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) फसल सघनता क्या है? भारत में इसके स्थानिक वितरण की कारणों सहित व्याख्या करें।

What is crop intensity? Discuss, with reasons, its spatial distribution in India.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

फसल सघनता से तात्पर्य किसी भूमि खण्ड पर एक कृषि वर्ष में फसलों के कई बार उत्पादन से है। यह उच्च कृषि उत्पादकता से संबंधित है।

Ex -

इस क्षेत्र में खरीफ ऋतु में 100 एकड़ पर फसल जबकि रबी में 80 एकड़ पर खेती की गई।

$$\text{फसल सघनता} = \frac{\text{कुल बोया क्षेत्र}}{\text{नेट बोया क्षेत्र}} \times 100$$

फलत: इस खण्ड की सघनता $\frac{180}{100} \times 100 = 180\%$ होगी।

भारत में फसल सघनता 135% है लेकिन इसके व्यापक पैमाने पर स्थानिक विषमता पायी जाती है।

फसल सघनता के निर्धारक कारकों में भौतिक, संरचनात्मक, तकनीकगत, सामाजिक


641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

आर्थिक सहित प्रौद्योगिकी कारक आदि प्रभावी रहते हैं।




# उच्च सघनता प्रदेश :-

पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तरप्रदेश, सुंदरवन क्षेत्र, कावेरी-गोदावरी डेल्टा प्रदेश।

L इन क्षेत्रों में हरित क्रांति जनित उच्च स्तरी HYV प्रौद्योगिकी, मशीनीकरण, उद्यमशील किसान, आय का स्तर बेहतर व उपजाऊ जलोढ़ मृदा होना।

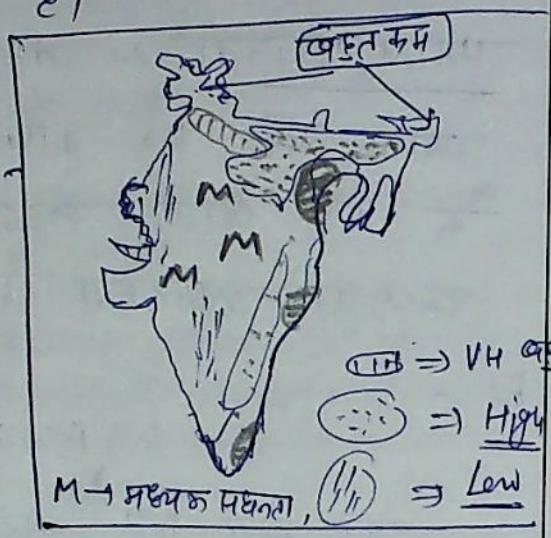

# उच्च सघन प्रदेश - गंगा के ऊपरी मैदान प्रदेश, तटीय नदी घाटी प्रदेश।

इन क्षेत्रों के निर्वाह कृषि पर बल, छोटे भू-जोत, प्रौद्योगिकी व जागरूकता का अभाव।

# कम सघनता व बहुत कम सघनता प्रदेश -

भौगोलिक जटिलताएँ, चरम जलवायु, अनुर्वर मृदा, साख सुविधा अभाव, एवं अभाव...


दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) हिमालय के अपवाह तंत्र की विशेषताओं का वर्णन करते हुए अपवाह तंत्रों के कार्यिक महत्त्व को बताएँ।

Describe the salient features of Himalayan drainage system, and highlight the functional importance of drainage systems.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

हिमालयी अपवाह तंत्र हिमालय के हिमनदों से सृजित सदानीरा प्रणाली वाली एक पूर्ववर्ती अपवाह तंत्र है।

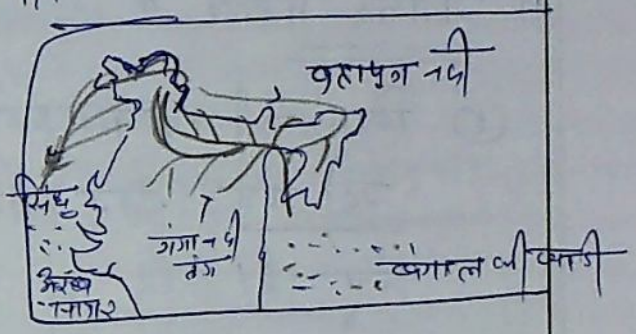




विशेषताएँ —

① पूर्ववर्ती अपवाह तंत्र जिसकी नदियाँ महाखड्ड, वी व भौमशिला संरचना बनाती हुई प्रवाहित होती है।

② गंगा - ब्रह्मपुत्र - सिंधु नदी का तंत्र

③ गंगा नदी का मैदानी भाग में वृक्षाकार प्रतिरूप का निर्माण करना

④ पहाड़ी क्षेत्रों में ढाल की तीव्रता व



641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मैदानों के ढाल की मंदता के कारण मार्ग बदलना, विसर्प निर्माण, नदी द्वीप निर्माण, बाढ़, तटबंध व डेल्टा बनाना प्रमुख विशेषता है।

# आर्थिक महत्व #

① हिमालयी अपवाह तंत्र या गंगा-नदी तंत्र उत्तर भारत की जीवनदायिनी तंत्र है।

② इसके द्वारा उपजाऊ मैदान का निर्माण, सिंचाई की व्यवस्था, पेयजल की व्यवस्था, जल विद्युत उत्पादन। Eg - गंगा का मैदान
- टिहरी प्रोजेक्ट, किशनगंगा

③ कृषि के मुलाधार के अतिरिक्त उद्योगों को पानी व विद्युत उपलब्ध कराना।

④ नौवहन, माल परिवहन, के रूप मे महत्व Eg गंगा व ब्रह्मपुत्र पर NW1 व NW2

⑤ पर्यटन महत्व, जैव विविधता इत्यादि।



Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) भारत में कोयले के उत्पादन एवं वितरण का संक्षिप्त विवरण दें।

Give a brief account of production and distribution of coal in India.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कोयला एक अनवीकरणीय ऊर्जा संसाधन है जिसकी उत्पत्ति उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में कठोर तने वाली वनस्पतियों के लंबे समय तक ताप-दाब अंतरण से होता है।

भारत में कोयला का 98% भंडारण व 99% उत्पादन गोंडवाना क्रम की चट्टानों में होता है।

भारत में कोयला

- (98%) गोंडवाना चट्टान
  - प्रायद्वीपीय भारत
  - दामोदर, सोन, महानदी, वर्धा घाटी
  - झारखण्ड पठार, दंडकारण्य क्षेत्र, गुजरात पहाड़ी etc
  - झारखण्ड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, मध्यप्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र
- टर्शियरी
  - प्रायद्वीपेत्तर
  - जम्मू & कश्मीर, असम, हिमालय क्षेत्र, नेवेली (तमिलनाडु) etc
  - लिग्नाइट कोयला


Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

झारखण्ड प्रमुख क्षेत्र
जहाँ झरिया बोकारो
धनबाद गिरिडीह
क्षेत्रों मे
पश्चिम बंगाल मे
रानीगंज,
आसं।
छत्तीसगढ मे
महानदी बेसिन
क्षेत्र मे।

# उत्पादन - भारत मे मुख्यतः
बिटुमिनस किस्म का नॉन-कोकिंग
कोयला उत्पादित किया जाता है
जिसका 99% भाग छोटा नागपुर पठार क्षेत्र
की बेल्ट से होता है
एंथ्रासाइट व लिग्नाइट कोयले
की प्राप्ति क्रमशः कश्मीर व तमिलनाडु
से होती है
फलतः कोयला का वितरण
असमानता लिये हुये है



Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. (a) अंतर्राज्यीय नदी जल विवाद के कारणों की जाँच करते हुए प्रस्तावित अंतर्राज्यीय नदी जल विवाद (संशोधन) विधेयक की प्रासंगिकता का परीक्षण करें। 15

Discuss the factors behind inter-state river water disputes and examine the utility of proposed Inter-state River Water Disputes (Amendment) Bill. 15

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत मे अंतर्राज्यीय नदी जल विवाद का पुराना इतिहास रहा है

Ex - कृष्णा, कावेरी, सतलुज etc

कारण! -

① मूल कारण वर्षा की कमी के मौसम मैं सिंचाई जल की पूर्ति को लेकर टकराव

Ex - कावेरी नदी पर तमिलनाडु व कर्नाटक

② राज्यों द्वारा रिपेरियन सिद्धांत लाने की मांग

③ जल का राजनीतिक वोट मुल्य बनना तथा अस्मिता का प्रश्न बनाकर विवाद बनाना



641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(4) हठधर्मी राजनीतिक रवैया

(5) एक नदी का कई राज्यों से प्राकृतिक प्रवाह

(6) न्यायालयी हस्तक्षेप ने विवादों को लंबा किया।

फलतः विवाद बनने से वो समस्या रोकने लंबित रहने व समाधान लागू न करने की हठधर्मिता है।

# अंतर्राज्यीय नदी जल विवाद विधेयक के प्रावधान #

(1) एक स्थायी न्यायाधिकरण का गठन जिसका फैसला अंतिम होगा।

(2) एक डेटा बैंक की स्थापना जिसमें जल, जलस्रोत संबंधी सटीक, सटीक व तार्किक आंकड़े होंगे।



Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(3) मामले के न्यायाधिकरण में लाने से पूर्व समाधान का विकल्प

(4) अंतर्राष्ट्रीय परिषद का महत्त्व घटाना

(5) एक समय-सीमा में निर्णय लाने की बाध्यता

(6) कार्यान्वयन बोर्ड

फलत : त्वरित न्यायाधिकरण, समयबद्धता व कार्यान्वयन को महत्त्व देना निर्णायक है।

किंतु की ASJ BC द्वारा न्यायपालिका हस्तक्षेप व राजनीतिक हठधर्मिता का समाधान नहीं है।

फलत : इस बिल के साथ-2 आमजन व राजनेताओं को मानवता, जरूरत को ध्यान में रखकर बिना विवाद जल वितरण करना चाहिए



641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(b) कृषि अशांति से क्या अभिप्राय है? क्या कर्ज़माफी से इस समस्या का समाधान संभव है? 20

What is the meaning of 'agricultural unrest'? Can this problem be solved by loan-waivers? 20

कृषि अशांति कृषि क्षेत्र, किसानो व कृषि कार्य मे संकट से उपजी दशा है

- मंदसौर के कृषक आंदोलन
- कृषक आत्महत्या

इसका कारण फसल बर्बादी, ऋण संकट, सामाजिक संकट सहित भ्रष्टाचार व राजनीतिक स्वार्थ है।

# कर्जमाफी से समाधान #

पक्ष मे :-

1. तत्काल अशांति को शांत करना
2. हाल ही में हुई हानि के प्रति सामाजिक सुरक्षा
3. सरकार किसानो के प्रति संवेदनशील है का भाव


641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(4) ऊँचे ऋण दुष्चक्र से बचाना
(5) दुर्भाग्य कम करना
(6) पुनः प्रोत्साहित व हताश न होने देना।

विपक्ष मे तर्क :- (1) केवल राजनीतिक कार्य
(1) RBI द्वारा विशेषज्ञो के अनुसार यह धारणीय विकल्प नहीं
(2) ऋण माफी का भार पुनः मंहगाई के रूप मे
(3) कोई स्थायी समाधान नहीं
(4) इससे किसानो मे अकुशलता, अकर्मण्यता, आराम धारी बढने का खतरा
(5) सरकार को राजस्व घाटा व बैंको का NPA बढना
(6) पुनः बैंकिंग ऋण पाना चुनौतीपूर्ण (बैंको द्वारा उदासीनता)


641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

फलतः पराली समाधान के लिए नई योजना, किसानों में जागरूकता, कृषि विविधीकरण व कृषि सह गतिविधियों आदि को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।


Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) उत्तर-पूर्वी भारत का क्षेत्र पारिस्थितिक दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील है। जलवायु परिवर्तन के इस क्षेत्र की पारिस्थितिकी पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों की चर्चा करें। 15

The North-East India is ecologically extremely sensitive. Discuss the possible impacts of climate change on the ecology of this region. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

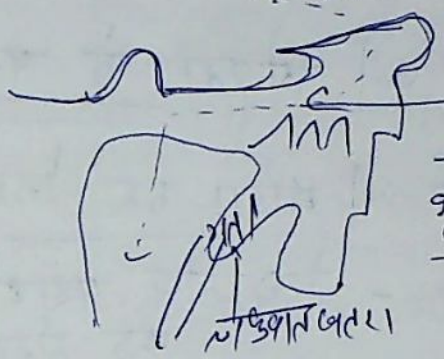




उत्तरी-पूर्वी भारत

संवेदनशीलता –

(1) अत्यधिक वर्षा तथा उच्चावचीय स्वरूप के कारण फ्लेश फ्लड के मुख्य आना

(2) भूस्खलन का खतरा

(3) भूकंप जोन V

(4) झूम व दहन कृषि प्रणाली

(5) मृदा अपरदन [illegible]



641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

# जलवायु परिवर्तन का संभावित प्रभाव

① वर्षा की तीव्रता के परावर्तिता

② वर्षा की मात्रा कम होना
  E - मेघालय पठार में कम होना

③ बाढ़, सूखे की आवृत्ति बढ़ना।
  E - असम में प्रतिवर्ष बाढ़ आना

④ संवेदनशील समाज तथा प्राणी व पादप समुदाय तथा क्षेत्र के आपदा प्रतिरोधक क्षमता व संरचना का अभाव होना

⑤ सामाजिक पलायन का संकट

⑥ तीव्र ढाल युक्त स्थलाकृतियों के कारण पानी का ठहर न पाना


Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

फलत: जलवायु परिवर्तन

क्षेत्र में
- जैव विविधता ह्रास
- कृषि उत्पादकता ह्रास
- चाय के बागानों का नष्ट होना
- etc

आदि के माध्यम

व्यापक सामाजिक - आर्थिक - राजनीतिक प्रभाव रख सकता है।

फलत: जलवायु शमन, हरित आवरण बढ़ावा व

ENdCs - पेरिस लक्ष्य - एस डी जी

लक्ष्यों को प्राप्त कर इस संभावित खतरे को रोका जाना चाहिए।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)



641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

# भूगोल ( वैकल्पिक विषय )

## ( मॉड्यूल-V )

### ( भौतिक विन्यास, संसाधन एवं कृषि )

| | |
|---|---|
| निर्धारित समयः तीन घंटे<br>*Time Allowed: Three Hours* | अधिकतम अंक : 250<br>*Maximum Marks : 250* |

**प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश**

***कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:***

*इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी एवं अंग्रेज़ी** भाषा में मुद्रित हैं।*

***परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।***

*प्रश्न संख्या **1** और **5 अनिवार्य** हैं तथा बाकी में से **प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न** चुनकर किन्हीं **तीन प्रश्नों** के उत्तर दीजिये।*

*प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।*

*प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।*

*प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।*

*जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।*

*प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।*

**QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS**

***Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:***

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

*The number of marks carried by a question/part is indicated against it.*

*Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.*

*Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.*

*Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.*

*Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.*



*Copyright – Drishti The Vision Foundation*